नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

डॉ. सतीश पावडे को श्रेयस नाट्यकला गौरव पुरस्कार

वर्धा, दि.19 सितंबर 2018: सुप्रसिद्ध नाटककार तथा नाट्य निर्देशक एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एंड थियेटर) विभाग के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सतीश पावडे को इस वर्ष का "श्रेयस नाट्यकला गौरव" राज्यस्तरीय पुरस्कार घोषित हुआ है।

श्रेयस वाचनालय तथा संशोधन केंद्र, हिंगणघाट की ओर से यह पुरस्कार दिया जाता है। आगामी 16 दिसंबर 2018 को वरोरा (आनंदवन), जि. चंद्रपुर में महाराष्ट्र के अनेक वरीष्ठ साहित्यकार, ज्येष्ठ पत्रकार, समाजसेवियों की उपस्थिति में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उक्त जानकारी श्रेयस वाचनालया के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत नगराले ने दी है। श्रेयस वाचनालय एवं संशोधन केंद्र द्वारा पुरस्कार प्रदान करने का यह पांचवा वर्ष है।

डॉ. सतीश पावडे विगत 35 वर्षों से नाटककार, नाट्य निर्देशक, नाट्यशिक्षक,नाट्य प्रशिक्षक, नाट्य संगठक, नाट्य संशोधक, अभिनेता के रुप में अनवरत कार्यरत है। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उनका बड़ा योगदान है। विभिन्न अखबारों में संपादक के रूप मे कार्य करते हुए उन्होंने अनेक नवोदित साहित्यिकारों को अपने साहित्य के प्रकाशन हेतु अवसर प्रदान किए हैं, जिनमें से कई लेखक आज स्थापित हुए हैं। डॉ. सतीश पावड़े को स्मिता पाटील स्मृति पुरस्कार, मँग्नम आनर एवार्ड, युनेस्को क्लब्स नाट्य गौरव, मामा वरेरकर उत्कृष्ट नाट्यलेखक, पु.भा.भावे नाट्य समीक्षा आदी पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। 50 से भी अधिक नाटकों का लेखन-निर्देशन, नाट्य विषयक 20 प्रकाशित पुस्तकें, दस से अधिक डाक्यूमेंट्रीज, डॉक्युड्रामा, विडिओ फिल्म्स उनके नाम पर है।

संगीत नाटक अकादमी के राष्ट्रीय शोधवृत्ती से भी उन्हें नवाज़ा गया है। महाराष्ट्र सरकार के मराठी विश्वकोष परियोजना नाट्यकोष ज्ञान मंडल के वे सलाहकार तथा विभागीय समन्वयक भी है। वे रगमंच के सेन्सार बोर्ड के वे दो बार सदस्य भी रह चुके है।